

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 26 दिसंबर, 2022

वीर बाल दविस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री गुरु गोवदि सहि के प्रकाश पर्व पर **26 दिसंबर को वीर बाल दविस** के रूप में मनाए जाने की घोषणा की। 26 दिसंबर वह दिन है जब साहबिजादा जोरावर सहि और साहबिजादा फतेह सहि को क्रमशः महज 6 साल एवं 9 साल की छोटी सी उम्र में मुगल सेना द्वारा मार दिया गया था। साहबिजादा अजीत सहि, साहबिजादा जुझार सहि, साहबिजादा जोरावर सहि तथा साहबिजादा फतेह सहि सखिों के दसवें गुरु गोबदि सहि जी के चार पुत्र थे। उन्होंने अपनी आस्था को त्यागने के बजाय मौत को प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री ने कहा कभिता गुजरी, श्री गुरु गोबदि सहि जी और 4 साहबिजादों की वीरता एवं आदर्श लाखों लोगों को ताकत देता है। वे अन्याय के आगे कभी नहीं झुके। उन्होंने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की जो समावेशी और सामंजस्यपूर्ण हो। इस अवसर पर कई कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। 'साहबिजादे' की कहानियाँ सुनाने वाली झाँकी के साथ सेना का एक बैड भी मार्च में हस्सिा लेगा। प्रधानमंत्री कार्यक्रम के दौरान लगभग 300 बाल कीर्तनियों के नेतृत्व में **"शब्द कीर्तन"** में भाग लेंगे तथा दल्लिी के हज़ारों स्कूली बच्चे सोमवार को इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक मार्च पासट करेंगे और पूरे भारत को नन्हें साहबिजादों की शहादत का इतहिस बतारेंगे।

कृत्रमि हृदय

आईआईटी कानपुर (IIT Kanpur) के वशिषज्जों ने एक कृत्रमि हृदय (Artificial Heart) तैयार किया है, जो हृदय रोग संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लयि मददगार साबति होगा। कृत्रमि हृदय या आर्टफिशियल हार्ट का जानवरों पर परीक्षण अगले साल शुरू होगा। इसके बाद हार्ट ट्रांसप्लांट (Heart Transplant) आसान होगा और गंभीर रोगियों में आर्टफिशियल हार्ट ट्रांसप्लांट कयि जा सकते हैं। आईआईटी कानपुर तथा देश भर के 10 वैज्जानिकों और डॉक्टरों की एक टीम ने दो साल में इस कृत्रमि हृदय को तैयार किया है। जानवरों पर परीक्षण फरवरी या मार्च से शुरू होगा। परीक्षण में सफलता के बाद दो वर्षों में मनुष्यों में इसका प्रत्यारोपण कयि जा सकेगा। हृदय रोग तेज़ी से बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप बड़ी संख्या में मरीजों को हृदय प्रत्यारोपण की सलाह दी जाती है, मरीजों की परेशानी कम करने के लयि यह कृत्रमि हृदय विकसति कयि जा रहा है। भारत 80 प्रतशित उपकरण और इम्प्लांट वदिशों से आयात करता है, केवल 20 प्रतशित उपकरण एवं इम्प्लांट भारत में नरिमति कयि जाते हैं।

मनानाला नल्लाथरवु मंदरम योजना

तमलिनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालनि ने मेडिकल कॉलेज के छात्रों के मानसकि स्वास्थय में सुधार के लयि मनोवैज्जानकि सहायता प्रदान करने हेतु **मनानाला नल्लाथरवु मंदरम या मनम (MANAM) योजना** शुरू की है। इसका उद्देश्य मेडिकल छात्रों को आत्महत्या करने से रोकने के साथ-साथ मानसकि स्वास्थय से पीड़ित रोगियों के सही उपचार के लयि उन्हें प्रशिक्षति करना है। इस पहल के अंतर्गत छात्रों को मानसकि स्वास्थय वशिषज्ज से संपर्क करने में मदद मलिंगी। इसके लयि एक हेल्पलाइननंबर **14416** भी जारी की गई है। तमलिनाडु सरकार ने इस पहल का शुभारंभतरुिचा, पुडुकोट्टई एवं करूर ज़िलों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कयि है।